आम

MANGO

SHREE HARI
Horticulture Nursery

Shree Hari Horticulture Nursery

All Horticulture Fruit Plant supplier

Consultancy Service

Horticulture Fruit Farm Project
Natural Farming Project
Farm House Project
Agro Forestry farm Project

Follow us on

Call : 91063 10963 (8 AM to 6 PM)

Channel : Shree Hari Horticulture Nursery

Office :- At-po. - Kandari, N.H.- 8, tal. - karjan, Dist. - Vadodara (Gujarat) 391210.
Nursery :- karjan-dabhoi road, vill. - Vemardi, tal. - karjan, Dist. - Vadodara (Gujarat) 391210.

Shree Hari Horticulture Nursery
Call : **91063 10963** (8 AM to 6 PM)

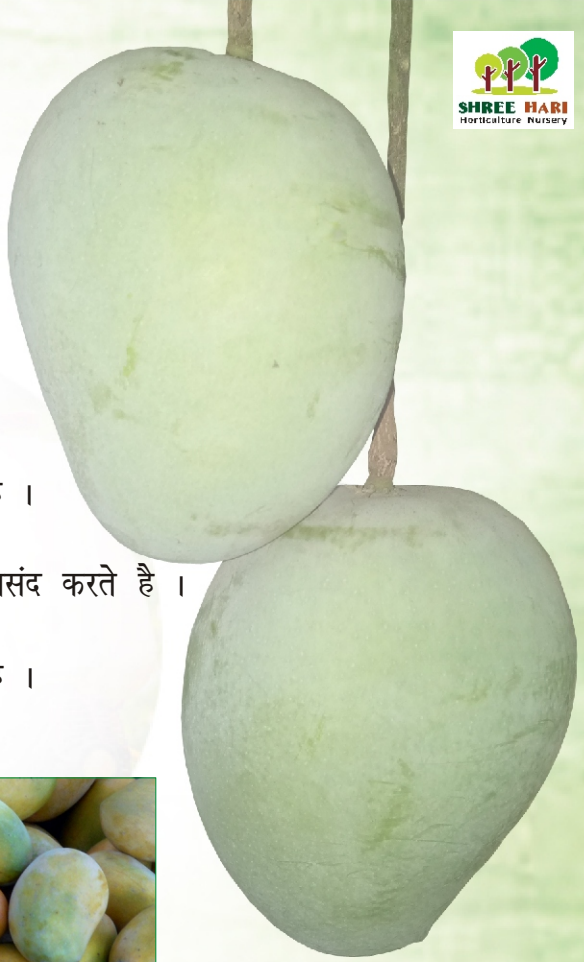

आम परिचय

- आम सबसे पुराने उष्णकटिबंधीय फलो मे से एक है ।
- भारत के अधिकांश भागो मे आम की खेती की जाती है ।
- आम भारत का नेशनल फल है और इसे फलो का राजा कहा जाता है ।
- भारत विश्व का सबसे बडा आम का उत्पादक देश है ।
- दुनिया मे सबसे प्रचलित फल आम है जिसे लगभग सभी लोग खाना पसंद करते है ।
- सिंचित विस्तार मे आम की लाभकारी खेती की जा सकती है ।
- UHDP तकनीक से खेती करके और अधिक उपज लिया जा सकता है ।
- आम के पेड की उम्र बहुत लंबी होती है ।

मीट्टी

- किसी भी प्रकार की जल निकासी वाली मिट्टी पर अच्छी तरह से आम उगाया जाता है ।
- लाल मीट्टी, पीली मीट्टी, काली मीट्टी, रेतीली मीक्स मीट्टी खेती के लिए अनुकुल है ।
- 6.5 - 8 Ph आम की खेती के लिए उपयुक्त है ।

पानी

- अमरुद की फसल के लिए 1000 TDS तक का पानी उपयुक्त होता है ।

वातावरण (जलवायु)

- आम उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रो मे सफळतापूर्वक उगाया जाता है ।
- आम के पौधे के वृद्धि और विकास के लिए गरमी के साथ बारीस का मौसम आदर्श है ।

अमरुद की किस्मो

- भारत मे विविध क्षेत्रो के हिसाब से लोकल व्यापारीक आम की किस्मो का उपज किसानो द्वारा किया जाता है ।
- केसर आम भारत में किसानो द्वारा सबसे अधिक उत्पादित किया जाता है । जो विश्व की आम की किस्मो मे से सबसे अधिक उत्पादित और लोकप्रिय है ।

केसर

राजापुरी

तोतापुरी

दशहरी

हाफुस

लंगरा

आम्रपाली

सोनपरी

Plant booking Call : **91063 10963** (8 AM to 6 PM)

पौधे रोपण प्रसार

- आम के पौधो के प्रसार के अन्य तरीको मे वी ग्राफ्टींग, साइड ग्राफ्टींग सबसे सरल और सबसे सफल है ।

रोपण का समय

- आम के पौधे रोपण का सबसे अच्छा समय बारीस की मौसम से वसंतऋतु (जुन से मार्च के आसपास) तक होता है ।

Shree Hari Horticulture Nursery
Call : 91063 10963 (8 AM to 6 PM)

रोपण का साइज

- प्रति एकड अधिक उपज के लिए रोपण साइज बहुत उपयोगी है ।
- जो साइज मे हम रोपण कर रहे है उस साइज के अनुसार पेड की शाखाओ का प्रबंधन करना आवश्यक है ।

- 15 ft x 15 ft : **200** पौधे प्रति अेकर
- 12 ft x 8 ft : **450** पौधे प्रति अेकर
- 12 ft x 5 ft : **725** पौधे प्रति अेकर

मिट्टी की तैयारी और रोपण

- मैदानी कृषि योग्य भूमि को गहरी जुताइ की आवश्यकता होती है ताकि मिट्टी ढीली हो जाए जिससे जडों की बेहतर वृद्धि हो शके और नमी का बेहतर प्रवेश हो सके ।
- गहरी जुताई से मिट्टी जनित कीटों की आबादी को कम करने में मदद मिलती है ।
- जहां कृषि योग्य भूमि उपलब्ध न हो वहां खेती के स्थान पर 2 ft x 2 ft x 2 ft का गड्ढा बना लें । इस गड्ढे में १५ किलो गोबर का खाद मिट्टी के साथ मिश्रण करके भरदे ।
- आम की कलम को मिट्टी की सतह से गड्ढे के बीच में लगाएं, लेकिन ग्राफ्टेड हिस्से को जमीनी स्तर से बाहर रखें ।

जल प्रबंधन

- आम के पौधे छोटे होने पर उच्च तापमान के दौरान अंतराल पर पानी की आवश्यकता होती है ।
- मिट्टी के प्रकार, पौधे की अवस्था, वातावरण में नमी और तापमान के अनुसार सिंचाई करनी चाहिए ।
- आम के लिए ड्रिप सिंचाई बहुत फायदेमंद साबित हुई है ।
- आम की रोपाई के बाद काष्ट आच्छादन और ड्रिप सिंचाई पद्धति के माध्यम से 60 % से 90 % पानी की बचत की जा सकती है ।

आंतर फसल

- सिंचाई उपलब्ध होने पर सब्जियां या मौसमी दलहन की फसले उगाकर प्रारंभिक वर्षो में आंतर फसल आय प्राप्त की जा सकती है ।
- जब तक आम के पौधे को नुकसान न हो तब तक आंतर फसल कर के आय ले शकते है ।

उपज की शरुआत

- यदि आम के पौधे की अच्छी देखभाल की जाए तो दो से तीन साल में व्यावसायिक उत्पादन शुरु हो जाता है ।
- किस्म के आधार पर व्यावसायिक उपज 3 से 5 किलोग्राम प्रति पौधे से शुरु हो सकती है और 50 से 80 किलोग्राम की वार्षिक उपज दे सकती है ।

बाजार प्रबंधन

- आम के फलो को आकार और गुणवत्ता के अनुसार ग्रेडिंग करके और बाजार की मांग के अनुसार पैक करके 70 से 150 रु तक बाजार किमत मिल सकती है।

- अच्छी उपज के लिए मीट्टी, पानी, वातावरण और किसान की देखभाल एक बडी भुमिका निभाती है ।